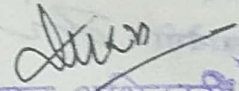


25.1.2022

पकीच करीके उपस्थिता मजीद व एस
पकीच उक्त पत्रावली गई। पत्रावली
में निर्णय पृथक से लिखा जाकर
शामिल पत्रावली किया गया। पत्रावली
फैलल सुमार होकर नम्बर से कम
होकर बाद नकलीय हम फीरा द्वारा रहे


उपखण्ड अधिकारी
करीली (राज०)



न्यायालय उपखण्ड अधिकारी करौली
पीठासीन:- अधिकारी देवेन्द्र सिंह परमार, आर.ए.एस.

मु0न0
31/2012

आर.सी.एम.एस
2012/00080

तारीख रजू
19.03.2012

1. ठाकुर जी कल्याण राय जी विराजमान मंदिर कल्याण राय जी राजमहलो के सामने चौबेपाडा करौली तहसील करौली जिला करौली जरिये अहतमाम पुजारी नैक्सट फ्रैण्ड सतीश कुमार शर्मा पुत्र स्व0 लक्ष्मीकान्त शर्मा जाति बाहमण निवासी राजमहलों के सामने चौबेपाडा करौली तहसील करौली जिला करौली।

-वादी

बनाम

1. चतरू पुत्र लालजी जाति कोली निवासी मण्डरायल रोड करौली तहसील करौली जिला करौली।
2. घसीडा पुत्र रधुनाथ आयु 45 साल जाति कोली निवासी पांचना कॉलोनी के पीछे कोली बस्ती करौली तहसील करौली जिला करौली।
3. श्यामलाल पुत्र रधुनाथ आयु 43 साल जाति कोली निवासी पांचना कॉलोनी के पीछे कोली बस्ती करौली तहसील करौली जिला करौली।
4. लैण्ड होल्डर तहसीलदार करौली जिला करौली।

प्रतिवादीगण

प्रार्थना पत्र धारा 212 आर0टी0एक्ट
:निर्णय:

दिनांक: 25.01.2021

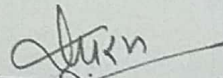
संक्षिप्त में प्रकरण के तथ्य इस प्रकार है कि सायल ने यह प्रार्थना पत्र इस आशय का प्रस्तुत किया है कि खसरा नम्बर 8253,8254 किता 2 कुल रकवा 3 बीघा 4 विस्वा कस्वा करौली वादी मंदिर के खातेदारी व कब्जे काशत की है जिसके समर्थन में जमाबन्दी सम्बत 2015 पेश की है। उक्त आराजीयात को सायल मंदिर द्वारा गैरसायलान व बुधा पुत्र मांग्या तेली को विधि की किसी भी रिति से हस्तान्तरण नहीं किया है ना पंजीयन कराया है। सायल मंदिर का पुजारी व व्यवस्थापक है। सायल मंदिर नावालिग है। जिसकी भूमि पिता न्यायालय के इजायत के बिना हस्तान्तरण नहीं हो सकती है। गैर सायलान के हक में हुऐ खातेदारी अधिकार सायल मंदिर पर प्रभावहीन व शून्य है बाध्यकारी नहीं है। गैर सायलान अनाधिकार खातेदारी इन्द्राज के कारण वदनीयति से भूमि के मोती रकम लेकर विक्रय करने पर उतारू हो रहे है और भूमाफियों से बातचीत प्रारम्भ कर दी है और पैठों के वल पर विक्रय कर कर भूमि को अकृषि में परिवर्तित कराकर आवासीय उपयोग में लेने पर भूमि को नष्ट करने पर उतारू है। गैर सायलान की इस अनाधिकार कार्यवाही से सायल के हक हंकुकों पर आघात है सायल को अपूर्णीय क्षति व भारी असुविधा सायल गैर सायलान को ताफैसला वादपत्र अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द कराने के अधिकारी है। अन्त में प्रार्थना पत्र सायल स्वीकार किये जाने निवेदन किया है। प्रार्थना पत्र सायल दर्ज रजिस्टर किया जाकर

गैर सायलान को जरिये नोटिस तलव किया गया। गैर सायलान ने उपस्थित होकर जबाव प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर कथन किया है कि ना तो कोई कल्याण रामजी का मंदिर है ना ही वादग्रस्त आराजीयात ठाकुरजी की खातेदारी व कब्जे काश्त में दर्ज है।

वादग्रस्त आराजीयात बुधा पुत्र मांग्या तेली के खातेदारी व कब्जे काश्त की है। और बुधा के हक में खातेदारी इन्द्राज है। बुधा खातेदार काश्तकार था इसलिस उसके अधिकारों पर मंदिर के कोई हक हकूक प्रभावहीन है। सायल कोई खातेदारी धोषणा कराने का अधिकारी नहीं है। सायल का आराजीयात से कोई सम्बन्ध नहीं है इसलिये सायल को दावा लाने का कोई अधिकार नहीं है। बुधा के हक में खातेदारी इन्द्राज विधि अनुसार हुऐ है तहसीलदार को रेफरेन्स करने का कोई हक नहीं है। वादग्रस्त आराजीयात गैरसायलान के खातेदारी व कब्जे काश्त की है जिसे हर प्रकार से हस्तान्तरण करने का गैरसायलान को हक हासिल है। दिनांक 11.03.2012 को गैरसायलान न01 ता 03 से कोई बेचान बाबत नहीं कहा सारी बात मनगढत व झूठी है वादग्रस्त आराजीयात के 1/2 हिस्सा को गैरसायल न02 व 03 ने वंशी खातेदार से रजिस्टर्ड वयनामा से खरीद किया है और गैरसायलान ने प्लाट बना कर वय कर दिया है वंशी फौत हो गया उसके वारिस को सायल ने पक्षकार नहीं बनाया है प्रार्थना पत्र सायल खारिज किये जाने का निवेदन किया है।

वहस वकील फरीकेन का मनन किया गया। पत्रावली में प्रस्तुत राजस्व रिकार्ड जमाबन्दी सम्बत 2015 व सम्बत 2064 से 2067 का अवलोकन व विवेचन किया गया। वादग्रस्त आराजीयात सम्बत् 2015 मं कृषक के कॉलम न05 में बुधा पुत्र मांग्या तेली निवासी करौली के नाम दर्ज है कॉलम न02 में भोक्ता सायल मंदिरके नाम दर्ज है। सायल व गैरसायलान के मध्य भूमि के खातेदारी अधिकारी उभयपक्ष की साक्ष्य आने के बाद दावा के अंतिम निर्णय से तय होने है। इस प्रकार सायल का प्राइमाफेसी केस प्रथम दृष्ट्या प्रतीत होता है मूल दावा के निर्णय तक वादग्रस्त आराजी की सुरक्षा के लिए गैरसायलान को भूमि को रहन वय नहीं करने को पाबंद किया जाना उचित प्रतीत होता है प्रार्थना पत्र सायल स्वीकार किये जाने योग्य है।

अतः प्रार्थना पत्र सायल विरुद्ध गैरसायलान स्वीकार किया जाता है गैरसायलान को ताफैसला वादपत्र अनिषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि वह आराजी खसरा न. 8253,8254 कुल किता 2 कुल रकवा 3 बीघा 4 विस्वा कस्बा करौली को रहनवय नहीं करें। निर्णय आज दिनांक 25.01.2021 को खुले न्यायालय में लिखा जाकर सुनाया गया।


उपेन्द्र सिंह परमार
उपस्थान अधिकारी
करौली (राज०)
करौली